राष्ट्रीय
सहारा

शैक्षिक भ्रमण में ज्ञान का भंडार तलाशेंगे सीएसए के छात्र

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के उद्यान महाविद्यालय के छात्रों के छह दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे शाकभाजी सस्यविद डॉ. राजीव द्वारा वताया गया कि शैक्षिक भ्रमण छात्रों को रोचक ढंग से पढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इससे छात्रों को वेहतर तरीके से सीखने में मदद मिलती है।

यात्रा के प्रथम दिवस छात्रों को आईसीएआर भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान मेरठ का भ्रमण कराया गया, जहां पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पीयूष पूनिया ने छोटे किसानों के लिए एकीकृत फार्मिंग पद्धति मॉडल के विषय में वताया। केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान पर भ्रमण के समय डॉ. अशोक कुमार चौहान ने आलू वीज उत्पादन की एयरोपोनिक तकनीक व ग्रेडिंग पर चर्चा की। डॉ. राजीव ने वताया कि शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्रों को मशरूम अनुसंधान एवं विकास परियोजना मुरथल (सोनीपत), इंडो इजराइल तकनीक पर आधारित सब्जी उत्कृष्टता केंद्र घरौंडा, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का क्षेत्रीय केंद्र करनाल आदि संस्थानों द्वारा विकसित एवं प्रदर्शित की जा रही उन्नत तकनीक के विषय में छात्रों को परिचित कराया जाएगा तथा संस्थाओं के वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों के साथ संवाद भी कराया जाएगा। इसके साथ एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र रामनगर (कुरुक्षेत्र) के शहद प्रसंस्करण एवं

दैनिक जागरण 12/03/2024

सीएसए कुलपति ने शोध अनुभवों पर दिया जोर

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को पहली बार प्रक्षेत्र शोध दिवस मनाया गया। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने शोधार्थियों से कहा कि अपने शोध अनुभवों को किसानों तक पहुंचाएं। जिससे खेती और किसानी में सुधार हो सके। विद्यार्थी प्रशिक्षण प्रक्षेत्र पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति ने विभिन्न रबी फसलों की खेती में शोध छात्र-छात्राओं की विधियों और प्रदर्शन का निरीक्षण किया। जासं

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

का समय लग सकता है।

उद्यान महाविद्यालय के छात्रों का 6 दिवसीय शैक्षिक भ्रमण

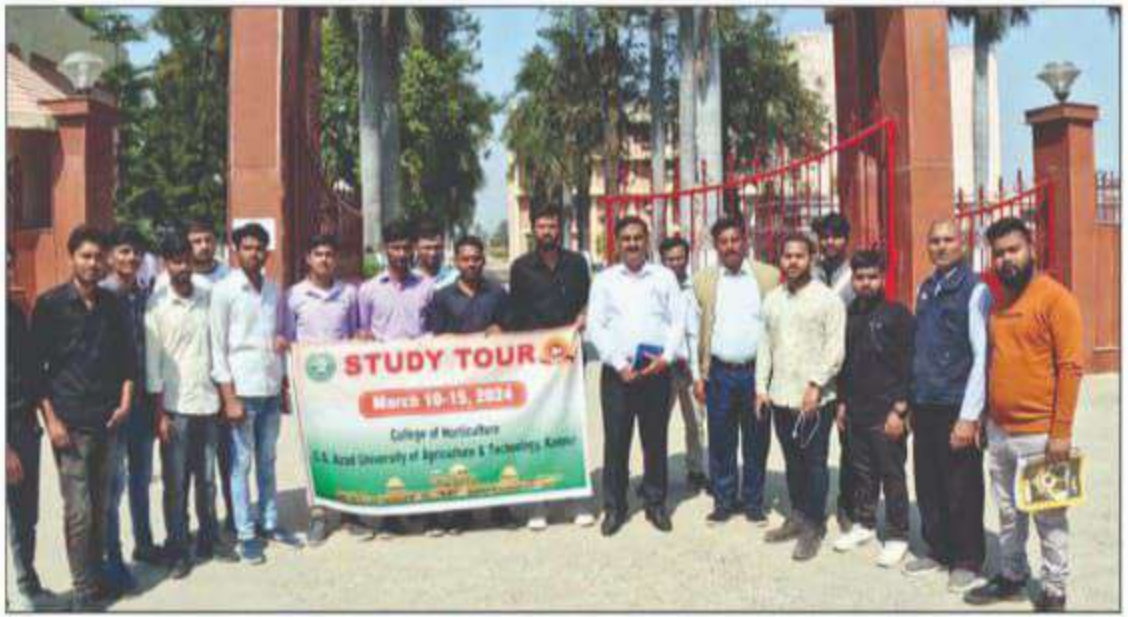

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में उद्यान महाविद्यालय के छात्रों का 6 (10 से 15 मार्च 2024) दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे शाकभाजी सस्यविद डॉ राजीव द्वारा बताया गया की शैक्षिक भ्रमण छात्रों को रोचक ढंग से पढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इससे छात्रों को बेहतर तरीके से सीखने में मदद मिलती है। यात्रा के प्रथम दिवस छात्रों को आई सी ए आर भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान मेरठ का भ्रमण कराया गया। जहां पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ पीयूष पूनिया द्वारा छोटे किसानों के लिए एकीकृत फार्मिंग पद्धति मॉडल के विषय में विस्तार से बताया। केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान पर भ्रमण के समय डॉ अशोक कुमार चौहान द्वारा आलू बीज उत्पादन की एयरोपोनिक तकनीक व ग्रेडिंग पर चर्चा की गई। डॉ राजीव द्वारा बताया गया की शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्रों को मशरूम अनुसंधान एवं विकास परियोजना मुरथल (सोनीपत), इंडो इजराइल तकनीक पर आधारित सब्जी उत्कृष्टता केंद्र घरौंडा, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का क्षेत्रीय केंद्र करनाल आदि संस्थानों द्वारा विकसित एवं प्रदर्शित की जा रही उन्नत तकनीक के विषय में छात्रों को परिचित कराया जाएगा तथा संस्थाओं के वैज्ञानिकों विषय विशेषज्ञों के साथ छात्रों का संवाद भी कराया जाएगा। इसके साथ साथ एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र रामनगर (कुरुक्षेत्र) की शहद प्रसंस्करण एवं बॉटलिंग इकाइयों का भी भ्रमण कराया जाएगा। भ्रमण दल में उद्यान महाविद्यालय के लगभग 45 छात्र सम्मिलित है।

अमर उजाला 12/03/2024

बीमारी के निदान के लिए शोध जरूरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में सोमवार को शोध दिवस मनाया गया। इसका शुभारंभ विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, मृदा में पोषक तत्वों के क्षरण, नए कीटों व बीमारी और जल संरक्षण को लेकर शोध जरूरी है। कृषि में एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस समेत अत्याधुनिक तकनीक को जोड़ना जरूरी है। कुलपति ने उत्कृष्ट शोध कार्य, शोध प्लांट के रखरखाव, प्लांट की साफ-सफाई के लिए अपर्णा ज्योति को प्रथम पुरस्कार दिया। वहीं, साई नाईक देव को द्वितीय पुरस्कार मिला। इस मौके पर डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. हर्षित गुप्ता, डॉ. अंशु सिंह आदि मौजूद रहे। (ब्यूरो)

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
वर्ष : 14 अंक : 65 (हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, मंगलवार 12 मार्च 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/47228

उद्यान महाविद्यालय के छात्रों का 6 दिवसीय शैक्षिक भ्रमण

कानपुर, 11 मार्च (यू0एन0टी0)। ***मो. तस्लीम*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में उद्यान महाविद्यालय के छात्रों का 6 (10 से 15 मार्च 2024) दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे शाकभाजी सस्यविद डॉ राजीव द्वारा बताया गया की शैक्षिक भ्रमण छात्रों को रोचक ढंग से पढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इससे छात्रों को बेहतर तरीके से सीखने में मदद मिलती है। यात्रा के प्रथम दिवस छात्रों को आई सी ए आर भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान मेरठ का भ्रमण कराया गया। जहां पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ पीयूष पूनिया द्वारा छोटे किसानों के लिए एकीकृत फार्मिंग पद्धति मॉडल के विषय में विस्तार से बताया। केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान पर भ्रमण के समय डॉ अशोक कुमार चौहान द्वारा आलू बीज उत्पादन की एयरोपोनिक तकनीक व ग्रेडिंग पर चर्चा की गई। डॉ राजीव द्वारा बताया गया की शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्रों को मशरूम अनुसंधान एवं विकास परियोजना मुरथल (सोनीपत), इंडो इजराइल तकनीक पर आधारित सब्जी उत्कृष्टता केंद्र घरौंडा, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का क्षेत्रीय केंद्र करनाल आदि संस्थानों द्वारा विकसित एवं प्रदर्शित की जा रही उन्नत तकनीक के विषय में छात्रों को परिचित कराया जाएगा तथा संस्थाओं के वैज्ञानिकों विषय विशेषज्ञों के साथ छात्रों का संवाद भी कराया जाएगा। इसके साथ साथ एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र रामनगर (कुरुक्षेत्र) की शहद प्रसंस्करण एवं बॉटलिंग इकाइयों का भी भ्रमण कराया जाएगा। भ्रमण दल में उद्यान महाविद्यालय के लगभग 45 छात्र सम्मिलित है।

त्र शोध दिवस

पादप रोग विज्ञान एवं कीट विज्ञान के शोध छात्रों के द्वारा बीमारियों के प्रबंधन में विभिन्न प्रकार के नैनो पार्टिकल्स पर अध्ययन किया जा रहा है। सस्य विज्ञान विभाग के शोध छात्रों के द्वारा इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम एवं खरपतवार प्रबंधन विषय पर शोध किया जा रहा है।यह कार्यक्रम कुलपति के निर्देश पर अधिष्ठाता कृषि संकाय के द्वारा आयोजित किया गया। अधिष्ठाता कृषि संकाय प्रो० सी०एल० मौर्य ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में प्रथम बार श्फील्ड रिसर्च डेश का आयोजन किया गया है जिससे सभी शोध छात्र स्नातक छात्र अत्यंत ही उत्साहित एवं प्रेरित है।

आलू बाज... जानकारी दी।

हिंदुस्तान 12/03/2024

कृषि में एआई तकनीक शामिल करना जरूरी

कानपुर। सीएसए विवि में सोमवार को शोध दिवस मनाया गया। शुभारंभ विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि कृषि शोध जलवायु परिवर्तन, मृदा में पोषक तत्वों के क्षरण, नए-नए उत्पन्न हो रहे कीट व बीमारी, जल संरक्षण को लेकर शोध जरूरी है। कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस को जोड़ना जरूरी है। कुमारी अपर्णा ज्योति, साई नाईक देव को पुरस्कृत किया गया। डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. हर्षित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

हिंदुस्तान 12/03/2024

कृषि में एआई तकनीक शामिल करना जरूरी

कानपुर। सीएसए विवि में सोमवार को शोध दिवस मनाया गया। शुभारंभ विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि कृषि शोध जलवायु परिवर्तन, मृदा में पोषक तत्वों के क्षरण, नए-नए उत्पन्न हो रहे कीट व बीमारी, जल संरक्षण को लेकर शोध जरूरी है। कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस को जोड़ना जरूरी है। कुमारी अपर्णा ज्योति, साई नाईक देव को पुरस्कृत किया गया। डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. हर्षित गुप्ता आदि मौजूद रहे।